DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B.A. Part — I
Paper — II (Hons)
Shambhu.bhibu@gmail.com
8294391291

वालपोल की आर्थिक नीति — II

एक्साइज बिल ! — पुनः 1733 ई. में वालपोल ने एक्साइज नामक एक बिल पेश किया । तम्बाकू और शराब पर जो चुंगी बंदरगाह में लगती थी उसे अब विक्रय स्थानों पर आबकारी के रूप में बदल देना चाहता था । कर लगाने के पीछे तीन ही उद्देश्य थे :— केन्द्रिय बाजार की स्थापना करना, चोर बाजारी को रोकना और मालगुजारी में वृद्धि करना । इस एक्साइज बिल से बहुत से लोगों को घाटा होने लगा । फलतः अनेक लोगों के द्वारा इसका विरोध करना प्रारंभ हो गया । अंतः में विवश होकर वालपोल को पार्लियामेंट में इस बिल को हटाना पड़ा ।

वालपोल की धार्मिक नीति ! — अब इंगलैंड में धार्मिक झगड़ा समाप्त हो गया था । कहीं भी धर्म को लेकर झगड़ा होने की आशंका नहीं थी । इसलिए वालपोल भी चर्च को नाराज नहीं करना चाहता था । उसने डिजेटरों को हर एक वर्ष क्षमा करना प्रारंभ कर दिया । इतना ही नहीं उन्हें बड़े बड़े पदों पर बहाल करना भी प्रारंभ कर दिया । इससे डिजेटरो को काफी फायदा हुआ । लेकिन इसके फलस्वरूप कानून को भंग करने की परंपरा बढ़ गयी ।